be benefited under the special Employment generation Scheme;

(b) if so, what is the number of SC/ST, backward and tribal class families which have been benefited so far under this Scheme;

(c) if the reply to part (b) above be in the negative, by when these families are likely to be benefited;

(d) what are the criteria for choosing the district or area to have the benefit of the above said Scheme; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL AREAS & EMPLOYENT (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) (SHRI UTTAMBHAI PATEL): (a) No such scheme by name Special Employment Generation Scheme is being implemented. However, the Employment Assurance Scheme (EAS) was introduced in October, 1993 in 1778 Revamped Public Distribution System (RPDS) blocks of the country, including 97 blocks of 16 districts of Gujarat. At present, EAS is being implemented in 131 blocks of 17 districts of Gujarat.

(b) Under EAS, an employment of 26.77 lakh mandays has been generated since inception of the scheme. This includes 3.42 lakh mandays of employment provided to SCs and 13.87 lakh mandays of employment to STs.

(c) Does not arise.

(d) and (e) Blocks covered under the RPDS, Modified Area Development Approach (MADA), DPAP/DDP and also flood prone area included under the Employment Scheme.

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए गुजरात को आबंटित धनराशि

7370. **श्री अनन्त राय देवशंकर दवे:**
श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए आबंटित धनराशि में वृद्धि करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो प्रत्येक जिले को कितनी अतिरिक्त धनराशि प्रदान की जाएगी; और

(ग) इस धनराशि में वृद्धि करने के फलस्वरूप लाभान्वित होने वाले ग्रामीण क्षेत्रों का जिलावार ब्यौरा क्या है?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई पटले): (क) ग्रामीण विकास के लिए समग्र आवंटन को सातवीं योजना अवधि के दौरान 10,955 करोड़ रुपये से बढ़ाकर आठवीं योजना अवधि के दौरान 30,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। 8वीं योजना अवधि के दौरान बढ़े हुए आवंटन के आधार पर 1992-93 से 1994-95 तक के दौरान प्रमुख ग्रामीण विकास कार्यक्रम अर्थात् (1) समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (2) जवाहर रोजगार योजना, (3) सूखा ग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम और मरूभूमि विकास कार्यक्रम के लिए गुजरात राज्य में क्षेत्रों के विकास हेतु आवंटित राशि निम्नानुसार है:—

आवंटित/रिलीज की गई राशि (लाख रुपये में)

वर्ष	समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम	जवाहर रोजगार योजना*	सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम	मरूभूमि विकास कार्यक्रम
1992-93	2010.00	6291.16	746.00	225.00
1993-94	3090.00	6999.55	1119.00	337.50
1994-95	3063.00	8268.65	1236.00	382.00

*रिलीज

(ख) और (ग) प्रमुख ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के लिए गुजरात राज्य में जिला ग्रामीण विकास एजेंसियों/आवंटनों/रिलीजों के लिए जिलावार ब्यौरे विवरण-I से III में दर्शाए गए हैं। (नीचे देखिए)

विवरण-I

1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान आवंटित/रिलीज की गई राशि

गुजरात के बारे में समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत जिला ग्रामीण विकास एजेंसी-वार आवंटन

(लाख रुपये में)

जिला ग्रामीण विकास एजेंसी का नाम	आवंटन 1992-93	आवंटन 1993-94	आवंटन 1994-95
अहमदनगर	71.154	141.212	139.980
कच्छ	55.275	101.044	100.160
खेड़ा	141.504	156.046	154.680
गांधीनगर	10.251	17.922	17.760
जूनागढ़	81.204	147.702	146.410
पंचमहल	236.376	432.600	428.820
भड़ौच	135.273	221.552	219.620
भावनगर	56.883	123.292	122.220
मेहसाना	124.821	163.152	161.730
वडोदरा	186.930	256.470	254.230
अमरेली	50.853	88.374	87.600
जामनगर	50.853	83.430	82.700
डांग	24.522	38.316	37.980
बनासकांठा	116.580	174.584	173.060
राजकोट	64.722	123.600	122.520
सुरेन्द्रनगर	45.426	84.666	83.930
बलसाड़	230.949	278.100	275.670
साबरकांठा	107.334	176.748	175.200
सूरत	219.090	281.190	278.730
कुल:	2010.000	3090.000	3063.000

विवरण-II

1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान जवाहर रोजगार योजना हेतु आवंटित/रिलीज की गई राशि

1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान गुजरात के विभिन्न जिलों को रिलीज की गई राशि

(लाख रुपये में)

क्रमांक	जिला	1992-93	1993-94	1994-95
1.	जामनगर	95.45	108.67	113.64
2.	राजकोट	115.94	98.98	159.82
3.	सुरेन्द्रनगर	122.01	224.36	208.05
4.	भावनगर	120.08	174.13	181.30
5.	अमरेली	91.99	97.71	92.87
6.	जूनागढ़	189.83	175.96	202.00
7.	कच्छ	420.39	189.96	466.72
8.	बनासकांठा	759.86	368.16	681.30
9.	साबरकांठा	254.37	369.57	342.02
10.	मेहसाना	199.92	220.82	212.10
11.	गांधीनगर	21.55	145.61	124.34
12.	अहमदाबाद	192.14	255.29	218.39
13.	खेडा	255.83	191.02	221.78
14.	पंचमहल	1048.98	1244.52	1783.31
15.	बड़ोदरा	461.04	550.35	574.77
16.	भड़ौच	391.52	449.08	466.74
17.	सूरत	573.15	624.38	683.27
18.	बलसाड़	693.41	916.33	1018.50
19.	डांग	313.65	594.65	516.79
	कुल:	6291.16	6999.55	8268.65

विवरण-III

1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान आवंटित/रिलीज की गई राशि दर्शाने वाला विवरण सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम/मरूभूमि विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत जिलेवार आवंटन

राज्य: गुजरात (लाख रुपये में)

जिला	आवंटन 1992-93	आवंटन 1993-94	आवंटन 1994-95
सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम			
1. अहमदाबाद	37.00	55.50	61.00
2. अमरेली	129.50	194.25	215.50
3. भावनगर	50.00	75.00	83.00

सच्चः गुजरात जिला	आबंटन 1992-93	आबंटन 1993-94	(लाख रुपये में) आबंटन 1994-95
4. जामनगर	35.00	52.50	58.00
5. कच्छ	129.50	194.25	213.50
6. पंचमहल	121.50	182.50	201.50
7. राजकोट	85.00	127.50	141.00
8. सुरेन्द्रनगर	158.50	237.75	262.50
कुल:	746.00	1119.00	1236.00
मरूभूमि विकास कार्यक्रम			
1. बनासकांठा	179.00	268.50	304.00
2. मेहसाना	46.00	69.00	78.00
कुल:	225.00	337.50	382.00

गुजरात में दस लाख कुंओं की योजना

7371. श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी: क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने गुजरात में जिला वार "दस लाख कुंए" योजना के अन्तर्गत किए गए कार्य की अब तक कोई समीक्षा की है;

(ख) यदि हां, तो उसके जिला वार क्या परिणाम निकले हैं;

(ग) क्या सरकार को इस योजना के अन्तर्गत कुछ अन्य विकास कार्यों को शामिल करने के संबंध में उक्त जिलों के समाज सेवी संगठनों से कुछ सुझाव प्राप्त हुए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कार्यवाही किए जाने का विचार है?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई पटेल): (क) और (ख) भारत सरकार ने दस लाख कुओं की योजना की कोई विशिष्ट समीक्षा नहीं की है। तथापि, मूल्यांकन निदेशालय, गुजरात सरकार ने गुजरात में दस लाख कुओं की योजना का मूल्यांकन कराया है। इस मूल्यांकन के निष्कर्षों को संलग्न विवरण में दर्शाया गया है। (नीचे देखिए)

(ग) और (घ) गुजरात के जिलों के किसी भी सामाजिक संगठन से इस योजना में कुछेक अन्य विकासात्मक गतिविधियों को शामिल करने के बारे में कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुए हैं। तथापि, सिंचाई कुओं के अलावा सिंचाई तालाबों, जल एकत्रीकरण ढांचों और छोटे और सीमांत किसानों की भूमि के विकास जैसी लघु सिंचाई की अन्य योजनाओं को दस लाख कुओं की योजना में पहले से ही शामिल किया गया है।

विवरण

मूल्यांकन निदेशालय, गुजरात सरकार द्वारा कराए गए दस लाख कुओं की योजना के मूल्यांकन (नमूना आधार पर) के मुख्य निष्कर्ष:

1. नमूना आधार पर खोदे गए खुले कुओं के मामले में सफलता दर 91.3% थी और नमूना आधार पर बोर-कुओं के मामले में सफलता दर 69.4% थी।
2. नमूना आधार पर खोदे गए 57.9% प्रतिशत खुले कुओं और नमूना आधार पर 100 प्रतिशत बोर कुओं का निर्माण कार्य एक वर्ष के अंदर पूरा कर लिया गया था।
3. कुल लागत का 64.6 प्रतिशत मजदूरी घटक पर खर्च किया गया था जबकि सामग्री घटक पर 35.4 प्रतिशत खर्च किया गया।
4. प्रति नमूना कुआं सृजित औसत रोजगार 554 श्रमदिन बैठता है।
5. नमूना लाभार्थियों में से 88 प्रतिशत ने ऑयल इंजिन की स्वयं खरीद की थी, 11.6 प्रतिशत किराए पर ऑयल इंजिन का इस्तेमाल कर रहे थे और 0.4 प्रतिशत ने बिजली की मोटर लगाई थी।
6. लगभग 20 प्रतिशत अधिक नमूना लाभार्थियों ने कुओं के निर्माण के बाद उन्नत किस्म के बीजों का इस्तेमाल किया।
7. लगभग 26.6 प्रतिशत अधिक नमूना लाभार्थियों ने कुओं के निर्माण के बाद रासायनिक खादों का इस्तेमाल किया।
8. कुओं से सिंचाई की सुविधा मिलने के कारण रबी की फसल के क्षेत्र में पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है।
9. कृषि गतिविधियों से रोजगार में 92.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
10. नमूना लाभार्थियों की वार्षिक औसत आय में सिंचाई के बादे दुगने से भी अधिक की वृद्धि हुई है।